

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
मांग संख्या 24
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

(₹ करोड़)

| | वास्तविक 2021-2022 | | | बजट 2022-2023 | | | संशोधित 2022-2023 | | | बजट 2023-2024 | | |
|---|--------------------|--------------|----------------|----------------|---------------|----------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|---------------|----------------|
| | राजस्व | पूंजी | जोड़ | राजस्व | पूंजी | जोड़ | राजस्व | पूंजी | जोड़ | राजस्व | पूंजी | जोड़ |
| कुल | 2094.86 | 99.54 | 2194.40 | 2207.94 | 450.00 | 2657.94 | 1872.25 | 188.65 | 2060.90 | 2650.57 | 673.81 | 3324.38 |
| वसूलियां | -9.97 | ... | -9.97 | -4.43 | ... | -4.43 | -4.43 | ... | -4.43 | -4.50 | ... | -4.50 |
| प्राप्तियां | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| निवल | 2084.89 | 99.54 | 2184.43 | 2203.51 | 450.00 | 2653.51 | 1867.82 | 188.65 | 2056.47 | 2646.07 | 673.81 | 3319.88 |
| क. वसूलियों को घटाने के बाद बजट आवंटन इस प्रकार है: | | | | | | | | | | | | |
| केंद्र का व्यय | | | | | | | | | | | | |
| केन्द्र का स्थापना व्यय | | | | | | | | | | | | |
| 1. सचिवालय | 559.28 | ... | 559.28 | 46.60 | ... | 46.60 | 45.69 | ... | 45.69 | 527.08 | 2.43 | 529.51 |
| 2. मौसम विज्ञान | 438.40 | ... | 438.40 | 514.03 | ... | 514.03 | 481.47 | ... | 481.47 | 500.05 | 5.15 | 505.20 |
| | -3.42 | ... | -3.42 | -4.43 | ... | -4.43 | -4.43 | ... | -4.43 | -4.50 | ... | -4.50 |
| <i>निवल</i> | <i>434.98</i> | <i>...</i> | <i>434.98</i> | <i>509.60</i> | <i>...</i> | <i>509.60</i> | <i>477.04</i> | <i>...</i> | <i>477.04</i> | <i>495.55</i> | <i>5.15</i> | <i>500.70</i> |
| 3. समुद्रविज्ञानी सर्वेक्षण (ओआरवी तथा एफओआरवी) तथा समुद्र सजीव संसाधन (एमएलआर) | 24.55 | ... | 24.55 | 9.00 | ... | 9.00 | 1.00 | ... | 1.00 | ... | ... | ... |
| 4. राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एन.सी.एम.आर. डब्ल्यू.एफ.) | 11.46 | ... | 11.46 | 14.00 | ... | 14.00 | 13.50 | ... | 13.50 | 13.77 | ... | 13.77 |
| जोड़-केन्द्र का स्थापना व्यय | 1030.27 | ... | 1030.27 | 579.20 | ... | 579.20 | 537.23 | ... | 537.23 | 1036.40 | 7.58 | 1043.98 |
| केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें/परियोजनाएं | | | | | | | | | | | | |
| 5. समुद्री सेवाएं, मॉडेलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट) | 374.93 | 7.15 | 382.08 | 435.00 | 25.00 | 460.00 | 323.05 | 16.95 | 340.00 | 433.05 | 26.95 | 460.00 |
| 6. वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-मॉडेलिंग प्रेक्षण प्रणालियां तथा सेवाएं (एकरॉस) | 173.33 | 73.67 | 247.00 | 260.00 | 200.00 | 460.00 | 248.30 | 151.70 | 400.00 | 290.72 | 389.28 | 680.00 |
| 7. ध्रुव विज्ञान और क्रायोस्फियर (पेसर) | 107.99 | ... | 107.99 | 140.24 | ... | 140.24 | 157.00 | ... | 157.00 | 146.00 | ... | 146.00 |
| 8. भूकंप विज्ञान और भूगर्भविज्ञान (सेज) | 46.17 | 18.72 | 64.89 | 75.00 | 25.00 | 100.00 | 45.00 | 20.00 | 65.00 | 70.00 | 50.00 | 120.00 |
| 9. अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण लोक संपर्क (रीचआउट) | 56.34 | ... | 56.34 | 65.00 | ... | 65.00 | 63.13 | ... | 63.13 | 65.00 | ... | 65.00 |
| 10. गहन महासागर मिशन (डीओएम) | 119.03 | ... | 119.03 | 450.00 | 200.00 | 650.00 | 300.00 | ... | 300.00 | 400.00 | 200.00 | 600.00 |
| जोड़-केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें/परियोजनाएं | 877.79 | 99.54 | 977.33 | 1425.24 | 450.00 | 1875.24 | 1136.48 | 188.65 | 1325.13 | 1404.77 | 666.23 | 2071.00 |
| केंद्रीय क्षेत्र के अन्य व्यय | | | | | | | | | | | | |

(₹ करोड़)

| | वास्तविक 2021-2022 | | | बजट 2022-2023 | | | संशोधित 2022-2023 | | | बजट 2023-2024 | | |
|---|--------------------|--------------|----------------|----------------|---------------|----------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|---------------|----------------|
| | राजस्व | पूंजी | जोड़ | राजस्व | पूंजी | जोड़ | राजस्व | पूंजी | जोड़ | राजस्व | पूंजी | जोड़ |
| स्वायत्त निकाय | | | | | | | | | | | | |
| 11. भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंकोइस) | 22.78 | ... | 22.78 | 25.80 | ... | 25.80 | 23.80 | ... | 23.80 | 27.00 | ... | 27.00 |
| 12. राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एन. आई. ओ.टी.) | 42.90 | ... | 42.90 | 49.40 | ... | 49.40 | 47.30 | ... | 47.30 | 49.40 | ... | 49.40 |
| 13. राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), गोवा | 21.60 | ... | 21.60 | 23.67 | ... | 23.67 | 26.00 | ... | 26.00 | 26.00 | ... | 26.00 |
| 14. भारतीय उष्ण कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आई.आई.टी.एम.) | 83.10 | ... | 83.10 | 86.30 | ... | 86.30 | 84.10 | ... | 84.10 | 86.50 | ... | 86.50 |
| 15. राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केंद्र (एन सेस) | 13.00 | ... | 13.00 | 13.90 | ... | 13.90 | 12.91 | ... | 12.91 | 16.00 | ... | 16.00 |
| जोड़-स्वायत्त निकाय | 183.38 | ... | 183.38 | 199.07 | ... | 199.07 | 194.11 | ... | 194.11 | 204.90 | ... | 204.90 |
| अन्य | | | | | | | | | | | | |
| 16. वास्तविक बसूली | -6.55 | ... | -6.55 | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... |
| जोड़-केंद्रीय क्षेत्र के अन्य व्यय | 176.83 | ... | 176.83 | 199.07 | ... | 199.07 | 194.11 | ... | 194.11 | 204.90 | ... | 204.90 |
| कुल जोड़ | 2084.89 | 99.54 | 2184.43 | 2203.51 | 450.00 | 2653.51 | 1867.82 | 188.65 | 2056.47 | 2646.07 | 673.81 | 3319.88 |
| ख. विकास शीर्ष | | | | | | | | | | | | |
| आर्थिक सेवाएं | | | | | | | | | | | | |
| 1. समुद्र विज्ञान अनुसंधान | 712.72 | ... | 712.72 | 1133.11 | ... | 1133.11 | 878.15 | ... | 878.15 | 1081.45 | ... | 1081.45 |
| 2. अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान | 64.50 | ... | 64.50 | 79.00 | ... | 79.00 | 76.63 | ... | 76.63 | 78.77 | ... | 78.77 |
| 3. सचिवालय- आर्थिक सेवाएं | 559.07 | ... | 559.07 | 46.60 | ... | 46.60 | 45.69 | ... | 45.69 | 527.08 | ... | 527.08 |
| 4. मौसम विज्ञान | 748.60 | ... | 748.60 | 944.80 | ... | 944.80 | 867.35 | ... | 867.35 | 958.77 | ... | 958.77 |
| 5. समुद्र विज्ञान अनुसंधान पर पूंजीगत परिव्यय | ... | 7.15 | 7.15 | ... | 225.00 | 225.00 | ... | 16.95 | 16.95 | ... | 226.95 | 226.95 |
| 6. मौसम विज्ञान पर पूंजीगत परिव्यय | ... | 92.39 | 92.39 | ... | 225.00 | 225.00 | ... | 171.70 | 171.70 | ... | 444.43 | 444.43 |
| 7. अन्य सामान्य आर्थिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | ... | 2.43 | 2.43 |
| जोड़-आर्थिक सेवाएं | 2084.89 | 99.54 | 2184.43 | 2203.51 | 450.00 | 2653.51 | 1867.82 | 188.65 | 2056.47 | 2646.07 | 673.81 | 3319.88 |
| कुल जोड़ | 2084.89 | 99.54 | 2184.43 | 2203.51 | 450.00 | 2653.51 | 1867.82 | 188.65 | 2056.47 | 2646.07 | 673.81 | 3319.88 |

1. **सचिवालय:** सचिवालय आर्थिक सेवाएं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के विभागीय लेखा संगठन सहित पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिवालय व्यय के लिए बजट प्रावधान आवश्यक है।

2. **मौसम विज्ञान:** भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) मौसम विज्ञान और संबद्ध विषयों से संबंधित सभी मामलों में प्रमुख सरकारी एजेंसी है। इसके प्राथमिक उद्देश्य (i) मौसम संबंधी प्रेक्षण और कृषि सिंचाई, विमानन तीर्थयात्रा आदि जैसी मौसम संबंधित गतिविधियों के इष्टतम संचालन के लिए वर्तमान और पूर्वानुमान मौसम संबंधी सूचना प्रदान करना। (ii) उष्णकटिबंधीय चक्रवातों धूल भरे तूफानों भारी बारिश और बर्फ शीत और लू आदि जैसी प्रचंड मौसम की घटनाओं, जिनके कारण जान और माल की हानि होती है, की चेतावनी देना तथा (iii) विशिष्ट उद्देश्यों के लिए कस्टमाइज्ड मौसम विज्ञान संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए कृषि जल विज्ञान समुद्र विज्ञान वायु प्रदूषण निगरानी और पूर्वानुमान के क्षेत्र में देश के अन्य वैज्ञानिक संगठनों के साथ संपर्क बनाए रखना है।

3. **समुद्रविज्ञानी सर्वेक्षण (ओआरवी तथा एफओआरवी) तथा समुद्र सजीव संसाधन (एमएलआर):** महासागर सर्वेक्षण (ओआरवी और एफओआरवी) और समुद्री जीवित संसाधन (एमएलआर) ओशनोग्राफिक रिसर्च वेसल (ओआरवी)-सागर कन्या और फिशरीज ओशनोग्राफिक रिसर्च वेसल (एफओआरवी)-सागर संपदा के संचालन और रखरखाव को अब ओ-स्मार्ट के साथ जोड़ दिया गया है।

4. **राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एन.सी.एम.आर.डब्ल्यू.एफ.):** राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ): राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र अनुसंधान और विकास के माध्यम से भारत और पड़ोसी क्षेत्रों में विश्वसनीयता और सटीकता के साथ उन्नत संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान प्रणालियां लगातार विकसित कर रहा है तथा नए एवं नवीन अनुप्रयोगों का प्रदर्शन कर रहा है, ज्ञान, कौशल और तकनीकी आधारों के उच्चतम स्तर को बनाए रख रहा है।

5. **समुद्री सेवाएं, मॉडेलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट):** समुद्री सेवाएं, मॉडेलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट): समुद्री क्षेत्र से संबंधित कार्यक्रमों में (i) भारत के आसपास के समुद्रों से समय-श्रृंखला डेटा प्राप्त करने के लिए महासागर प्रेक्षण नेटवर्क के एक सैट को बनाए रखना और मजबूत करना। यह नियमित निगरानी, उपग्रह डेटा को मान्य बनाने और समुद्री वायुमंडलीय मॉडल हेतु महत्वपूर्ण इनपुट के लिए उपयोगी है। ये समुद्र की गतिशीलता, जलवायु परिवर्तनशीलता, समुद्र दशा का पूर्वानुमान, समुद्र तल की विविधताओं, समुद्र प्रवाह अध्ययन आदि की बेहतर समझ में मदद करते हैं। (ii) भारत और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के लिए बुलेटिन जारी करने के लिए समुद्र सूचना सेवाओंका एक सैट प्रदान करना, समुद्री सजीव संसाधनों का आकलन, भारत के तटीय समुद्र के स्वास्थ्य की आवधिक निगरानी, तटीय समुद्री क्षेत्र का प्रबंधन, 24X7 आधार पर प्रचालन सुनामी चेतावनी प्रणाली प्रदान करना है। (iii) ईईजेड और हिंदी महासागर के गहरे समुद्री क्षेत्र में उपलब्ध समुद्र निर्जीव संसाधनों के दोहन के लिए सर्वेक्षण किए जा रहे हैं। इनमें गैस हाइड्रेट्स, पॉली-मेटैलिक नोड्यूल, हाइड्रोथर्मल सल्फाइड मिनरल्स, कोबाल्ट क्रस्ट्स शामिल हैं, जिनमें हिंद महासागर के मध्य महासागरीय क्षेत्रों में उपलब्ध मूल्यवान उत्तम धातुएं हैं, (iv) सभी गतिविधियों को शुरू करने के लिए तटीय अनुसंधान जलयानों का अधिग्रहण, संचालन और रखरखाव, (v) समुद्र प्रौद्योगिकी का विकास, तटीय पर्यावरण इंजीनियरिंग और समुद्री इंस्ट्रुमेंटेशन, समुद्र तटीय सुविधा, अपतटीय न्यूमेरिकल टैंक, मानव रहित पनडुब्बी का विकास। दूर से संचालित होने वाले उप समुद्रस्व-स्थान मृदा परीक्षक (आरओएसआईएस) और पनडुब्बी विकसित किए गए हैं। (vi) इंडोइस, हैदराबाद में स्थापित यूनेस्को के लिए श्रेणी-2 केन्द्र को सहायता करना शामिल है।

6. **वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-मॉडेलिंग प्रेक्षण प्रणालियां तथा सेवाएं (एकरॉस):** वायुमंडल तथा जलवायु अनुसंधान - मॉडेलिंग प्रेक्षण प्रणाली और सेवाएं (एकरॉस): यह कार्यक्रम (i) निगरानी की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला अर्थात् कृषि, विमानन, शहर के पूर्वानुमान, पर्वतीय क्षेत्र, रक्षा और खेल, और देश में मौसम और जलवायु संबंधी सेवाओं को एकीकृत करने और उनमें करने के सुधार एक केंद्रित उद्देश्य के साथ पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक समर्पित पूर्वानुमान प्रणाली की स्थापना सहित आपदा तैयारी प्रदान करने के लिए वायुमंडलीय प्रेक्षण प्रणालियों को बनाए रखने और मजबूत करने से संबंधित है (ii) चक्रवात, भारी बारिश, तूफान, बाढ़ लू, कोहरा और वायु-गुणवत्ता, एरोसोल और बादलों की सूक्ष्म भौतिक विशेषताएं और संबंधित पर्यावरणीय स्थितियों जैसे प्रतिकूल मौसम के विशिष्ट पूर्वानुमान सहित लघु और मध्यम अवधि से लेकर मौसमी औसत तक के विभिन्न समय और अंतरिक्ष पैमानों पर भारत में मानसून के मौसम और जलवायु के पूर्वानुमान के लिए आवश्यक वायुमंडलीय मॉडल के एक समूह का विकास करना। (iii) जलवायु दीर्घकालिक (बहुदशकीय) सिमुलेशन के कारण जल और अन्य जलवायु सेवाओं के कई क्षेत्रीय परिदृश्य उत्पन्न करने के लिए जलवायु परिवर्तन अनुसंधान करना, बदलते जल चक्र और पुरापाषाणकालीन अध्ययनों की समझ बढ़ाने के लिए अनुसंधान करना। (iv) सभी मॉडेलिंग गतिविधियों, पूर्वानुमान, डेटा सेंटर और डेटा एनालिटिक्स, पर्यावरणीय प्रेक्षणों के लिए वायु वाहित मंच सुविधाओं को शुरू करने के लिए 24X7 आधार पर संचालन और रखरखाव करना।

7. **ध्रुव विज्ञान और क्रायोस्फियर (पिसर):** ध्रुवीय विज्ञान और हिमालय विज्ञान (पिसर): इस कार्यक्रम को अंटार्कटिक, आर्कटिक और हिमालय के हिमनदों पर विशेष जोर देने के साथ ध्रुवीय और हिमालय विज्ञान से संबंधित विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। (i) प्रेक्षण प्रणाली की स्थापना, इन्हें बनाए रखना और इनका विस्तार करना, (ii) अंटार्कटिका, आर्कटिक, हिमालय और दक्षिणी महासागर के लिए अभियान एवं संबंधित गतिविधियों, (iii) अंटार्कटिका, आर्कटिक और हिमालय में भारतीय केंद्रों की स्थापना/रखरखाव और (iv) ध्रुवीय अनुसंधान पोतों का अधिग्रहण।

8. **भूकंप विज्ञान और भूगर्भविज्ञान (सेज):** भूकंप विज्ञान और भूविज्ञान (एसएजीई): यह कार्यक्रम (i) भूकंप और सभी संबंधित भूकंप संबंधी जानकारी, माइक्रोजोनेशन की निगरानी और जानकारी प्रदान करने के लिए भूकंपीय प्रेक्षण प्रणाली को बनाए रखने और मजबूत करने (ii) टोस-पृथ्वी और भूविज्ञान से संबंधित अनुसंधान करने (iii) भूकंप आपदा शमन के लिए भूकंप इनपुट प्रदान करने (iii) कोयना, वार्ना क्षेत्र में गहरे बोर होल की जांच (iv) समुद्री भू वैज्ञानिक अध्ययन, एकीकृत महासागर डिलिंग कार्यक्रम के माध्यम से अरब सागर बेसिन में, गहरे समुद्र डिलिंग

और इतिहास और जलवायु विविधताओं, कटाव की दर के पुनर्निर्माण संबन्धित अध्ययन करने (v) क्रस्टल प्रक्रियाओं, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, तटीय प्रक्रियाओं आदि के लिए संबंधित अध्ययन से संबंधित है।

9. **अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण लोक संपर्क (रीचआउट):** प्रौद्योगिकी विकास सहित पृथ्वी प्रणाली विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अकादमिक/अनुसंधान संगठनों और स्टार्ट-अप को अतिरिक्त भित्ति समर्थन प्रदान करता है और (ii) बहु-संस्थागत और बहु-विषयक वैज्ञानिक विशेषज्ञता के एकीकरण के माध्यम से राष्ट्रीय महत्व के क्षेत्रों में केंद्रित अनुसंधान को बढ़ावा देता है। (iii) राष्ट्रीय सुविधाओं की स्थापना का समर्थन करना (iv) चेंबर प्रोफेसर्स सहित क्षमता निर्माण, एम. टेक पाठ्यक्रम, ईएसटीसी प्रकोष्ठों की स्थापना, ज्ञान सूचना प्रणाली, आर्थिक लाभ, स्वदेशी क्षमता को बढ़ावा देना (iv) एडवांस स्कूल ऑफ ट्रेनिंग फॉर अर्थ सिस्टम साइंस एंड क्लाइमेट, समुद्र विज्ञान, परिचालन मौसम विज्ञान, बीआईएमएसटीईसी देशों आदि के लिए प्रशिक्षण (v) अंतरराष्ट्रीय सहयोग और संबंधित संयुक्त गतिविधियां (vi) मेलों/प्रदर्शनियों में भागीदारी के माध्यम से जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम, विशिष्ट दिन मनाना, कार्यशालाओं को बढ़ावा देना/समर्थन करना /संगोष्ठी/पृथ्वी प्रणाली विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों में संगोष्ठी करना।

10. **गहन महासागर मिशन (डीओएम):** डीप ओशन मिशन (डीओएम) इस मिशन का उद्देश्य समुद्र से सजीव एवं निर्जीव संसाधनों का दोहन करने सम्बन्धी प्रौद्योगिकियों का अन्वेषण एवं विकास करना है, साथ ही इस मिशन को देश की समुद्री अर्थव्यवस्था का विस्तार करने का अधिदेश है। इस मिशन के छह प्रमुख संघटक हैं (i) गहरे समुद्र में खनन और मानवयुक्त पनडुब्बी के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास (ii) जलवायु परिवर्तन हेतु महासागर जलवायु परिवर्तन परामर्शिका सेवाओं का विकास (iii) गहरे-समुद्र की जैवविविधता के अन्वेषण एवं परिरक्षण हेतु प्रौद्योगिकीगत नवप्रवर्तन (iv) गहरे समुद्र का सर्वेक्षण एवं अन्वेषण (v) समुद्र से ऊर्जा तथा मीठा-जल, तथा (vi) क्षमता निर्माण हेतु समुद्री जीव विज्ञान के लिए उन्नत समुद्री केन्द्र बनाना।

11. **भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंकोइस):** भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस), हैदराबाद यह संस्थान सतत समुद्री प्रेक्षणों के माध्यम से समाज, उद्योग, सरकार एवं वैज्ञानिक समुदाय को समुद्री सूचना एवं परामर्शी सेवाएं प्रदान करता है तथा योजनाबद्ध एवं संकेंद्रित अनुसंधान द्वारा लगातार सुधार करता है।

12. **राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एन. आई. ओ.टी.):** राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) चेन्नई: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन एनआईओटी का प्रमुख उद्देश्य विश्वसनीय स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करना है, ताकि भारत के लगभग दो तिहाई भू-भाग जितने बड़े भारतीय अन्तर्ग आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में सजीव एवं निर्जीव संसाधनों के दोहन से जुड़ी विभिन्न अभियांत्रिक समस्याओं का समाधान किया जा सके।

13. **राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), गोवा:** राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), गोवा एनसीपीओआर ध्रुवीय एवं दक्षिणी महासागर क्षेत्रों में देश की अनुसंधान गतिविधियों के लिए उत्तरदायी एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थान है। संस्थान के प्रमुख उद्देश्य ध्रुवीय एवं समुद्री विज्ञान, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, एक्सटेंडेड कॉन्टीनेंटल शेल्फ तथा अरब सागर में डीप सी ड्रिलिंग इत्यादि हैं।

14. **भारतीय उष्ण कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आई.आई.टी.एम.):** भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे: आईआईटीएम मौसम एवं जलवायु पूर्वानुमानों में सुधार, तथा जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के आकलन एवं दीर्घकालिक पूर्वानुमान हेतु पृथ्वी प्रणाली मॉडल के विकास हेतु आवश्यक समुद्री-वायुमण्डल जलवायु प्रणाली पर आधारित अनुसंधान करता है। इन्हें सुसंगत वैज्ञानिक कार्यक्रम (प्रेक्षण एवं मॉडलिंग समेत) संचालित करने के द्वारा समुद्री-वायुमण्डल में अनुसंधान के उन्नतिकरण, तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग करने के साथ ही उत्कृष्ट अनुसंधान और कौशल के मानव संसाधन विकास की सतत प्रक्रिया के माध्यम से हासिल किया जाता है।

15. **राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केंद्र (ऐन सेस):** राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केंद्र (एनसीईएसएस) तिरुवनंतपुरम एनसीईएसएस ठोस पृथ्वी विज्ञान के उभरते क्षेत्रों में बहुविधात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देता है, पृथ्वी विज्ञान अनुप्रयोगों में इस ज्ञान का उपयोग करने के द्वारा सेवाएं प्रदान करता है, तथा चुने हुए क्षेत्रों में नेतृत्व क्षमताएं निर्मित करता है।